भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

PRESS RELEASE

प्रेस विज्ञप्ति

64 वर्ष-जीवन सुरक्षा, सुख-शांति सुनिश्चित करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम

भारतीय जीवन बीमा निगम 1 सितंबर, 2020 को अपने अस्तित्व के 65 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। देश के प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में जीवन बीमा के संदेश को प्रचारित करने में एलआईसी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अपने 64 वर्षों के अस्तित्व में एलआईसी ने चौदह देशों में अपनी उपस्थिति कायम कर एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी से उभरकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वित्तीय समूह बनने की लंबी उडान भरी है । इसने अपनी सहायक कंपनियों और एसोसिएट्स जैसे कि एलआईसी एचएफएल लिमिटेड, एलआईसी पेंशन फंड लिमिटेड, एलआईसी म्यूचुअल फंड, एलआईसी कार्ड सर्विसेज लिमिटेड, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, एलआईसी एचएफएल केयर होम्स लिमिटेड, एलआईसीएफएल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और एलआईसीएफएल एसेट प्रबंधन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से अन्य वित्तीय सेवाओं में भी आगे कदमबढ़ाएं हैं ।

1956 में 5 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी के साथ शुरू करते हुए, आज एलआईसी के पास 31,96,214.81 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियां हैं तथा जीवन निधि के तौर पर 31,14,496.05 करोड़ रुपये उपलब्ध हैं । एलआईसी राष्ट्र निर्माण कार्यों में हमेशा से ही अग्रणी रहा है वह धन राशि को पॉलिसीधारकों के हित के साथ-साथ संपूर्ण समुदाय को लाभांवित करने वाले कार्यों में परिनियोजित कररा‌ष्ट्रीयकरण की भावना को हकीकत में बदल रहा है। राष्ट्रीय प्राथमिकताएं और पॉलिसीधारकों को उचित प्रतिफल दिलाने की बाध्यता हमारे निवेश के मुख्य मापदंड है।इस प्रकार समुदाय के लाभ के लिए 31 मार्च 2020 तक निवेश की गई कुल राशि 30,69,942 करोड़ रुपये हैं।

आज एलआईसी अपने आठ क्षेत्रीय कार्यालयों, 113 मंडल कार्यालयों, 74 ग्राहक क्षेत्रों, 2048 शाखा कार्यालयों, 1526 सैटेलाइट कार्यालयों, 3354 जीवन प्लस कार्यालयों और 31556 प्रीमियम पॉइंट्स के माध्यम से ग्राहकों को अपनी सेवा प्रदान कर रहा है। एलआईसी में एक लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, 12.08 लाख अभिकर्ता इससे जुडे हुए हैं तथा

एलआईसी की 28.92 करोड़ से अधिक पॉलिसियां चालू स्थिति में हैं। आज एलआईसी व्यक्तिगत व्यवसाय के तहत विक्रय के लिएसमाज के विभिन्न वर्गों की जरूरतों को पूरा करने वाली 28 योजनाएंजारी रखें है जिनमें बंदोबस्ती योजना,अवधि बीमा, बच्चों के लिए बीमा,पेंशन, सूक्ष्म बीमा, स्वास्थ्य बीमा एवं यूनिट बद्ध उत्पाद शामिल हैं ।एलआईसी द्वारा ग्राहकों को उनकी बदलती जरूरतों और बदलते समय के अनुसार बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए आश्वासित किया जाता है।

वर्ष 2019-20 के दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम ने नव व्यवसाय के प्रथम वर्षीय प्रीमियम के तौर पर 25.17% की वृद्धि दर्ज की है।31 मार्च, 2020 के अंत तक कुल प्रथम वर्षीय प्रीमियम 1.78 लाख करोड़ रुपये था, जिसकी बाजार में हिस्सेदारी 68.74% थी।31 मार्च, 2020 के अंत तक, 2.19 करोड़ की नई पॉलिसियों को प्राप्त कर पॉलिसियों की संख्या के मोर्चे पर एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी 75.90% थी, जो वर्ष के अंत में कोरोना के गहरे प्रभाव के बावजूद छ साल में सबसे अधिक रही ।

पेंशन एवं समूह सेवानिवृत्ति व्यवसाय ने एक लाख करोड़ को पार कर एक नया इतिहास रचाहै और 39.46% की वृद्धि दर्ज करते हुए नव व्यवसाय प्रीमियम आय के रूप में 1,26,696 करोड़ रुपये एकत्रित किए हैं ।

वर्ष 2019-20 में एलआईसी ने 215.98 लाख दावों का निपटारा किया जो कि 1,59,770.32 करोड रुपये है।

एलआईसी अपनी बिक्रय और सेवा कार्यों के समर्थन के लिए,इन गतिविधियों में प्रौद्योगिकी को शामिल करने में अग्रद्वत रहा है। एलआईसीग्राहक केंद्रित रहने, मूल्य निर्धारण में सुधार लाने और परिचालन क्षमता को उत्पन्न करने के लिए ऑनलाइन और डिजिटल गतिविधियों में सुधार की ओर अपने ध्यान को केंद्रित कर रहा है।एलआईसीऑनलाइन गतिविधियों में मजबूती से अग्रसर है और इसने आंतरिक और बाहरी, दोनों ग्राहकों को नव व्यवसाय और सेवा संबंधी गतिविधियों के लिए के डिजिटलमंच प्रदान किए है, जिनमें बैंकों और अन्य एजेंसियों जैसे चैनल मंच शामिल हैं।एलआईसीके ग्राहक पोर्टल प्रणाली के जरिए ग्राहकों के डिजिटल अनुभव को बढ़ाने और ग्राहकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने का आकल्पन किया गया है।ग्राहक मोबाइल ऐप, जो एंड्रॉइड और आईओएस दोनों पर उपलब्ध है, के 34 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं। इसके प्रयोजन को आसान बनाने के लिए मोबाइल एप्लिकेशनों पर एमपीआईएन आधारित अभिगम (access),उपलब्ध कराये गए हैं ।

एलआईसी ने इलेक्ट्रॉनिक प्रीमियम भुगतान के लिए उपलब्ध विभिन्न डिजिटल मंचों को निगम से जोड़कर ग्राहकों को सहज अनुभव प्रदान करने में सफलता हासिल की है । पेटीएम (सीधे),

फोनपे और गूगलपे (बिलडेस्क के माध्यम से) कुछ और हालिया तरीके हैं जो ग्राहकों के प्रीमियम भुगतान के लिए डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं।निगम डिजिटल आधार्भूत संरचना के माध्यम से नवीकरण प्रीमियम संग्रह लेनदेन के उच्चतम स्तर 40.23% को हासिल किया है।एलआईसीने निगमित वेबसाइट पर ऑनलाइन आगंतुकों की सुविधा के लिए एक चैटबॉट लॉन्च किया है। एलआईसी मित्रा नाम की यह चैटबॉट, विक्रय के लिए उपलब्ध योजनाओं, सेवा संबंधित प्रश्नों और प्रीमियम भुगतान संबंधी पूछताछ पर कई तरह के सवालों के जवाब देने में सक्षम है।

वर्ष 2006 में स्थापित एलआईसी की स्वर्ण जयंती फाउंडेशन, निगम के सामुदायिक विकास के पहल को कार्यान्वित कर रहा है तथा यह विविध विशाल परियोजनाओं पर कार्य करते हुए गरीबी या संकट से राहत, शिक्षा की उन्नति, चिकित्सा राहत और सामान्य सार्वजनिक उपयोगिता के किसी अन्य उद्देश्यकी उन्नति आदि मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। स्थापना के बाद से, फाउंडेशन,543 परियोजनाओं के माध्यम से उपरोक्त मुद्दों के लिए समर्पित गैर सरकारी संगठनों का समर्थन करता आया है ।

इस वर्षगांठ पर हम अपने आदर्श-वाक्य "योगक्षेमं वहाम्यहम्", "आपका कल्याण हमारी ज़िम्मेदारी है" की भावना में खुद को सँजोकर अपने ग्राहकों के कल्याण के लिए समर्पित करते हैं।

दिनांकित 31अगस्त,2020, मुंबई
कृपया अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
कार्यकारी निदेशक (निगमित संप्रेषण)
भारतीय जीवन बीमा निगम, केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई।
ईमेल आईडी: ed cc@licindia.com
www.licindia.in हमें पर संपर्क करें